

19112.1.4

को वेश हो।

प्रावली वेश डी। अखिलमत। उभयपक्ष
अखिलमत। अखिलमत। रेस्पॉन्स द्वारा प्रार्थना
पक्ष में लेखन गया, नामांतरण एवं वरप्रदान
अखिलमत की अखिलमत प्रस्तुत की
अखिलमत अखिलमत को डिलाई गई।

रजिस्ट्रार

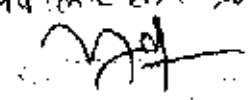
<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुए</p>
-------------------	--	---

अधिवक्ता अपीलार्थ ने जजाल प्राप्तुन नदी कर बहस हेतु निवेदन किया। उग्रघण्ट की बहस सुनी गई।

हमने विद्वान अधिवक्ता उग्रघण्ट की बहस पर मनन किया, पत्रावली, अधिवक्ता रेपोर्ड द्वारा प्राप्तुन प्रार्थना पत्र, वेगन अभिलेख, नामांतरण एवं जमाबंदी का अक्लौकल किया। अधिवक्ता रेपोर्ड द्वारा मुख्य रूप से यह निवेदन किया गया कि अपीलार्थ द्वारा उग्रघण्ट आराजी में अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय बंधनकारी वाक्य परित डिक्री से अस्तित्व होकर रेपोर्ड के विरुद्ध यह अपील प्राप्तुन की तथा प्रकरण में न्यायालय राजा का स्थान भविष्य प्रकाशी होने के वाक्य पर अपीलार्थ द्वारा बहस में प्राप्त वादग्रन्थ आराजी के अपने संपूर्ण कृषि क्षेत्रों को बंधन कर दिया गया है तथा जेता के पास में नामांतरण (वीकल होकर श्री अभिलेख में अपीलार्थ के स्थान पर जेता का नाम दर्ज हो चुका है अतः अपील अपीलार्थ चलने योग्य नहीं होने से कार्रवाई फरमावे।

अधिवक्ता अपीलार्थ ने अधिवक्ता रेपोर्ड के प्रार्थना पत्र एवं प्राप्तुन इस्तख्जात का कोई खेन नहीं किया।

हमरा मह विनम्र मत है कि वादग्रन्थ आराजी में अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलार्थ रेपोर्ड के साथ बंधनकारी वाक्य परित डिक्री का क्रिया-बन्धन होकर जमाबंदी में सभी सद्व्यतिहरान के नाम खाता प्रथम पृथक दर्ज हो चुके हैं तथा अपीलार्थ द्वारा उग्र अपील न्यायालय राजा को दमित किए बिना न्यायालय राजा की अनुमति प्राप्त किए बिना अपीलार्थ निर्णय एवं डिक्री द्वारा अपीलार्थ के हिस्से में सभी आराजी का अपीलार्थ द्वारा जेता



<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए</p>
-------------------	--	---

सदरेवातिह के पक्ष में अपने संपूर्ण दकदिके का फर्मावद विक्रम अखिलेश के माध्यम से हस्तांतरण कर दिया है तथा आदेशों (क्रमांक 06/04/22 द्वारा वादग्रस्त आराजी में अपीलट विक्रेता का नाम विलोपित किया जाकर केना का नाम बतौर आलेदार दर्ज हो चुका है, अतः अपीलट द्वारा अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पण्डित भोजय एवं दिव्या द्वारा इसके हिस्से में हिस्से वाले वादग्रस्त आराजी के भाग को स्वीकार करते हुये अपना हस्तांतरण कर देने तथा अपीलट हस्तांतरण नहीं करने के कारण से अपीलट हस्तांतरण प्रक्रिया में अब आवश्यक जवाबदारी भी नहीं रहा है, अतः किसी प्रकार का विवाद अस्तित्व में नहीं होने के कारण अपीलट का अपील अधिकार समाप्त हो चुका है तथा अपीलट पण्डित व दिव्या ही चुकी है, अतः अपीलट अपीलट इस स्तर पर जारी हो जाती है, न्यायालय का अखिलेश बोधया जाए ! प्रक्रिया में दिनांक 05/05/22 को पण्डित अंतरिम अध्यायी आदेश अपास्त किया जाता है / पण्डित इसी मुकदमे में निर्णित होकर संग्रा से एक फर्म लेकर वाद तकनीक साबित उपनर हो ।

निर्णय आज दिनांक 13/12/24 को सरे इजलास मुद्राया गया ।

नजदर अपीलट अधिकारी
पली